



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

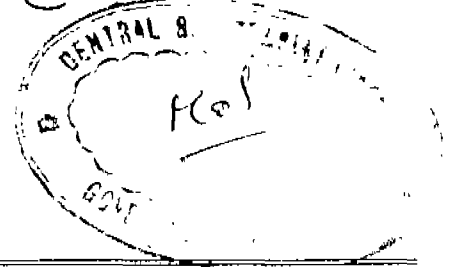
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 733]

नई दिल्ली, बुधस्पतिवार, अक्तूबर 4, 2001/आश्विन 12, 1923

No. 733]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 4, 2001/ASVINA 12, 1923

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अक्तूबर, 2001

का.आ. 993(अ).— केन्द्रीय सरकार, जिसने उज़बेकिस्तान की सरकार से आपराधिक मामलों के संबंध में उज़बेकिस्तान में किसी व्यक्ति पर समन या वारंट की तामील के लिए ठहराव कर रखे हैं, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के अनुसरण में निदेश देती है कि -

(क) किसी अभियुक्त व्यक्ति के नाम समन, या

(ख) किसी अभियुक्त व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए वारंट, या

(ग) किसी व्यक्ति से यह अपेक्षा करने वाला ऐसा कोई समन कि वह हाजिर हो और कोई दस्तावेज या अन्य चीज पेश करे अथवा उसे पेश करे, या

(घ) तलाशी वारंट ;

भारत में किसी न्यायालय द्वारा सक्षम दण्ड न्यायालय को, जिसे उस देश में प्रवृत्त विधि के अधीन प्राधिकार प्राप्त है, उज़बेकिस्तान में केन्द्रीय प्राधिकारी के माध्यम से उस न्यायालय को दो प्रतियों में यह निदेश देते हुए जारी किया जाएगा कि वह ऐसे समन या वारंट की तामील उसमें नामित व्यक्ति पर करे

2. केन्द्रीय सरकार यह भी निदेश देती है कि ऐसा समन या वारंट उज़बेकिस्तान के प्राधिकारी को भेजे जाने के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजा जाएगा ।

[फा. सं. 2/1/2001-जुडी. सैल]

दुर्गादास गुप्ता, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th October, 2001

S.O. 993(E).— Whereas arrangements have been made with the Government of Uzbekistan for service of summons or warrant, in relation to criminal matters, on any person in the Uzbekistan and therefore the Central Government in pursuance of clause (ii) of sub-section (1) of section 105 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), hereby directs that -

- (a) a summons to an accused person, or
- (b) a warrant for the arrest of an accused person, or
- (c) a summons to any person requiring him to attend and produce a document or other thing, or to produce it, or
- (d) a search warrant;

shall be issued by a Court in India, in duplicate, to the competent Criminal Court having authority, under the law in force in that country, through the Central Authority in the Uzbekistan directing that Court to serve such a summons or execute such a warrant on the person named therein.

2. The Central Government further directs that such a summons or a warrant shall be sent to the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi for transmission to the Central Authority in the Uzbekistan.

[F. No. 2/1/2001-Judl. Cell]
DURGADAS GUPTA, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 2001

का.आ. 994(अ).— केन्द्रीय सरकार, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105 की उपधारा (2) के अनुसरण में, उज़्बेकिस्तान में सक्षम दण्ड न्यायालय को, जिसे उस देश में प्रवृत्त विधि के अधीन प्राधिकार प्राप्त हो, आपराधिक मामलों के संबंध में किसी अभियुक्त व्यक्ति के नाम समन, या किसी अभियुक्त व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए वारंट, या किसी व्यक्ति से यह अपेक्षा करने वाला ऐसा कोई समन कि वह हाजिर हो और कोई दस्तावेज या अन्य चीज पेश करे अथवा उसे पेश करे, जारी करने के लिए ऐसे न्यायालय के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जो आपराधिक मामलों के संबंध में भारत में निवास कर रहे व्यक्तियों को समन या वारंट जारी कर सकेगा।

2. केन्द्रीय सरकार यह भी निदेश देती है कि ऐसी दशा में जहां उज़्बेकिस्तान से प्राप्त किसी समन या तलाशी वारंट की तामील हो चुकी है, वहां पेश की गई दस्तावेजें या चीजें या तलाशी के दौरान मिली चीजें, समन या तलाशी वारंट जारी करने वाले न्यायालय को उज़्बेकिस्तान में केन्द्रीय प्राधिकारी को पारेषित किए जाने के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से भेजी जाएंगी।

[फा. सं. 2/1/2001-जुडी. सैल]

दुर्गादास गुप्ता, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th October, 2001

S.O. 994(E).— In pursuance of sub-section (2) of section 105 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies the competent Criminal Court in the Uzbekistan and having authority, under the law in force in that country, to issue a summons to an accused person, or a warrant for the arrest of an accused person, or summons to any person requiring him to attend and produce a document or other thing, or to produce it in relation to criminal matters, as the Court by which such summons or warrant may be issued to persons residing in India in relation to criminal matters.

2. The Central Government further directs that in a case where a summons or a search warrant received from the Uzbekistan has been executed, the documents or things produced or things found in the search shall be forwarded to the Court issuing the summons or search warrant through the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi, for transmission to the Central Authority in the Uzbekistan.

[F. No. 2/1/2001-Judl. Cell]
DURGADAS GUPTA, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 2001

का.आ. 995(अ).— केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105ख की उपधारा (1)के अनुसरण में, यह निदेश देती है कि भारत में के किसी न्यायालय का किसी व्यक्ति को हाजिर होने या कोई दस्तावेज या अन्य चीज पेश करने के लिए गिरफ्तारी के लिए उज़्बेकिस्तान के किसी स्थान में निष्पादित किया जाने वाला वारंट इससे उपाबद्ध प्ररूप में जारी किया जाएगा और ऐसा वारंट दो प्रतियों में गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को उज़्बेकिस्तान में केन्द्रीय प्राधिकारी को पारेषित किए जाने के लिए भेजा जाएगा ।

प्ररूप

साक्षी को लाने के लिए वारंट
(धारा 105ख देखिए)

प्रेषिती

उज़्बेकिस्तान का सक्षम दंड न्यायालय

(केन्द्रीय प्राधिकारी, उज़्बेकिस्तान के माध्यम से)

मेरे समक्ष यह परिवाद किया गया है कि(पता) के
(अभियुक्त का नाम और वर्णन) ने(अपराध का संक्षेप में उल्लेख कीजिए) का
अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और यह संभावना प्रतीत होती है कि.....
(साक्षी का नाम और वर्णन) उक्त परिवाद से संबंधित साक्ष्य दे सकता है ; और यह प्रतीत होता है

कि उक्त साक्षी आपकी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर निवास कर रहा है। और मेरे पास यह विश्वास करने का ठोस और पर्याप्त कारण है कि वह तब तक हाजिर नहीं होगा या निम्नलिखित दस्तावेज या अन्य चीजें पेश नहीं करेगा जब तक कि उसे ऐसा करने के लिए विवश न किया जाए :

- (1) (यहां उन दस्तावेजों और चीजों की सूची दें जो पेश की जानी हैं)
- (2)
- (3)

मुझे को, यह अनुरोध करना है और इसके द्वारा मैं यह अनुरोध करता हूँ कि उपर्युक्त कारणों से और उक्त न्यायालय की सहायता के लिए आप उक्त (साक्षी का नाम) को गिरफ्तार कराएंगे और ऐसे व्यक्ति से ऊपर सूचीबद्ध दस्तावेज या चीज जो उसके कब्जे में है, पेश करने की अपेक्षा भी करेंगे तथा उस व्यक्ति को अभिरक्षा में लिए गए दस्तावेजों या चीजों सहित गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से मेरे पास भेजेंगे।

तारीख को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा के अधीन दिया गया।

न्यायालय की मुद्रा

न्यायाधीश/मजिस्ट्रेट

[फा. सं. 2/1/2001-जुडी. सैल]

दुर्गादास गुप्ता, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th October, 2001

S.O. 995(E).— In pursuance of sub-section (1) of section 105B of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby directs that a warrant from a Court in India for arrest of a person to attend or produce a document or other thing, to be executed in any place in the Uzbekistan shall be issued in the Form annexed hereto and that such warrant shall be sent in duplicate to the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi for transmission to the Central Authority in the Uzbekistan.

FORM

WARRANT TO BRING UP A WITNESS

(See section 105B)

To

The Competent Criminal Court
of Uzbekistan.

(Through the Central Authority, Uzbekistan)

Whereas, complaint has been made before me that (name and description of the accused) or (address) has (or is suspected to have) committed an offence of (mention the offence concisely), and it appears likely that (name and description of witness) can give evidence concerning the said complaint; and whereas, it appears that the said witness is residing within the local limits of your jurisdiction. And whereas, I have good and sufficient reason to believe that he will not attend or produce the following documents or other things unless compelled to do so :

- (i) : Here give the list
- (ii) : of documents or things to be
- (iii) : produced.

I,-----, have the honour to request and hereby do request that for the reasons aforesaid and for the assistance of the said Court, you will be pleased to cause the said (Name of the witness) to

be arrested and also require such person to produce the document or thing listed above, which may be in his possession and to forward the person in custody alongwith the documents or things to the undersigned through the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi.

Given under my hand and the seal of the Court
this----- day of -----2001.

Seal of the Court

Judge/Magistrate

[F. No. 2/1/2001-Judl. Cell]
DURGADAS GUPTA, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 2001

का.आ. 996(अ).— केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105ख की उपधारा (2)के अनुसरण में, यह निदेश देती है कि किसी आपराधिक मामले में अन्वेषण या जांच के दौरान किसी व्यक्ति की हाजिरी के लिए उजबेकिस्तान में किसी स्थान पर तामील या निष्पादित किए जाने वाले, यथास्थिति, समन या वारंट, इससे उपाबद्ध, यथास्थिति, प्ररूप 'क' या प्ररूप 'ख' में जारी किए जाएंगे और ऐसे समन या वारंट उजबेकिस्तान में केन्द्रीय प्राधिकारी को पारेषित किए जाने के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे।

प्ररूप 'क'

साक्षी को समन

[धारा 105ख की उपधारा(2) देखिए]

प्रेषिती

.....
.....

मेरे समक्ष यह आवेदन किया गया है कि(पता) के
..... (अभियुक्त का नाम) ने (समय और
स्थान सहित अपराध का संक्षेप में उल्लेख कीजिए) का अपराध किया है (या यह संदेह है कि उसने
किया है) और मुझे यह प्रतीत होता है कि यह संभावना है कि आप अभियोजन के लिए तात्त्विक
साक्ष्य देंगे या कोई दस्तावेज या अन्य चीज पेश करेंगे :

इसके द्वारा आपको समन किया जाता है कि ऐसा दस्तावेज या चीज पेश करने या उक्त

आवेदन के विषय से संबंधित आप जो कुछ जानते हैं उसका साक्ष्य देने के लिए न्यायालय के समक्ष तारीख को पूर्वाहन में ठीक दस बजे हाजिर हों और उसके पश्चात् न्यायालय के आदेश के बिना न जाएं, और आपको इसके द्वारा चेतावनी दी जाती है कि यदि आप उक्त तारीख को न्यायसंगत हेतु के बिना हाजिर होने में उपेक्षा करेंगे या उससे इन्कार करेंगे, तो आपको हाजिर कराने के लिए वारंट जारी किया जाएगा।

तारीख

(न्यायालय की मुद्रा)

हस्ताक्षर

प्ररूप 'ख'

साक्षी को लाने का वारंट

[धारा 105ख की उपधारा(2) देखिए]

प्रेषिती

.....
उजबेकिस्तान का सक्षम दंड न्यायालय

(केन्द्रीय प्राधिकारी, उजबेकिस्तान के माध्यम से)

मेरे समक्ष आवेदन किया गया है कि पता के
(अभियुक्त का नाम और वर्णन) ने (समय और स्थान सहित अपराध का संक्षिप्त में उल्लेख कीजिए) का अपराध किया है (या यह संदेह है कि उसने किया है) और मुझे यह प्रतीत होता है कि यह संभवना है कि.....(साक्षी का नाम और वर्णन) अभियोजन के लिए तात्त्विक साक्ष्य देगा या कोई दस्तावेज या अन्य चीज पेश करेगा और उक्त साक्षी आपकी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर निवास कर रहा है और मेरे पास विश्वास करने का ठोस और पर्याप्त कारण है कि वह उक्त मामले के अन्वेषण या जांच में जब तक हाजिर नहीं होगा तब तक कि उसे ऐसा करने के लिए विवश न किया जाए ;

मुझे को, यह अनुरोध करना है और इसके द्वारा मैं यह अनुरोध करता हूं कि उपर्युक्त कारणों से और उक्त न्यायालय की सहायता के लिए आप उक्त..... (व्यक्ति का नाम) को गिरफ्तार कराएंगे और उसे गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से मेरे पास अभिरक्षा में भेजेंगे।

तारीख को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा के अधीन दिया गया।

न्यायालय की मुद्रा

न्यायाधीश/मजिस्ट्रेट

[फा. सं. 2/1/2001-जुडी. सैल]

दुर्गादास गुप्ता, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th October, 2001

S.O. 996(E).— In pursuance of sub-section (2) of section 105B of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby directs that a summons or warrant, as the case may be, for attendance of a person during the investigation or inquiry in any criminal case, to be served or executed in any place in the Uzbekistan shall be issued in Form A or Form B annexed hereto, as the case may be, and such summons or warrant shall be sent to the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi for transmission to the Central Authority in the Uzbekistan.

Form A

Summons to witness

[see sub-section (2) of section 105B]

To

Whereas, an application has been made before me that

311467/07-2

(Name of the accused) of (address) has (or is suspected to have) committed the offence of (state the offence concisely with time and place) and it appears to me that you are likely to give material evidence or to produce any document or other thing for the prosecution;

You are hereby summoned to appear before the Court on the -----day of -----next at 10 O'clock in the forenoon to produce such document or thing or to testify what you know concerning the matter of the said application, and not to depart then without the order of the Court, and you are hereby warned that if you shall without just cause neglect or refuse to appear on the said date, a warrant will be issued to compel your attendance.

Dated, this-----day of
-----2001.

Seal of the Court

Signature

Form - B

Warrant to bring up a witness

[see sub-section (2) of section 105B]

The Competent Criminal Court of Uzbekistan.

(Through the Central Authority, Uzbekistan)

Whereas, an application has been made before me that
------(name and description of the accused)-----of
(address) has (or is suspected to have) committed an
offence of -----(state the offence concisely
with time and place) and it appears to me that
------(name and description of witness) is likely
to give material evidence or to produce any document or
other thing for the prosecution; and whereas, the said
witness is residing within the local limits of your
jurisdiction; and whereas, I have good and sufficient
reason to believe that he will not attend the
investigation or inquiry of the said case unless compelled
to do so;

I,-----, have the honour to request and
hereby do request that for the reasons aforesaid and for
the assistance of the said Court, you will be pleased to
cause the said -----(name of person) to be
arrested and to forward him in custody to the undersigned,
through the Ministry of Home Affairs, Government of India,
New Delhi.

Given under my hand and the seal of the Court

this-----day of -----2001.

Seal of the Court

Judge/Magistrate

[F. No. 2/1/2001-Judl. Cell]
DURGADAS GUPTA, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 2001

का.आ. 997(अ).— केन्द्रीय सरकार, जिसने उज़बेकिस्तान की सरकार से भारत के न्यायालयों में आपराधिक मामलों के संबंध में उज़बेकिस्तान में निवास करने वाले साक्षियों का साक्ष्य लेने के लिए ठहराव कर रखे हैं, दंड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2) की धारा 285 की उपधारा (3) के अनुसरण में निदेश देती है कि (क) उज़बेकिस्तान में साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन इससे उपाबद्ध प्ररूप में भारत के न्यायालयों द्वारा उज़बेकिस्तान के किसी सक्षम दंड न्यायालय को, जिसे उज़बेकिस्तान में प्रवृत्त विध के अधीन प्राधिकार प्राप्त है, जारी किया जाएगा (ख) ऐसा कमीशन उज़बेकिस्तान में केन्द्रीय प्राधिकारी को पारेषित किए जाने के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजा जाएगा।

.....न्यायालय

भारत से बाहर साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन (दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 285 (3) देखिए)

प्रेषिती

गृह मंत्रालय

भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से

मुझे यह प्रतीत होता है कि मामला संख्या..... बनाम..... न्यायालय.....में.....का साक्ष्य आवश्यक है और ऐसा साक्षी आपकी अधिकारिता की स्थानीय सीमा के भीतर निवास कर रहा है और उसकी हाजिरी अनुचित विलंब, व्यय या असुविधा के बिना नहीं कराई जा सकती है, मैं.....आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप उपरोक्त कारणों से और उक्त न्यायालय की सहायता के लिए उक्त साक्षी को समय और स्थान पर जो आप नियत करें हाजिर होने के लिए समन कर और ऐसे साक्षी की परीक्षा उन परिप्रश्नों (मौखिक परीक्षा के लिए) के आधार पर करवाएं जो इस कमीशन के साथ भेजे जा रहे हैं।

कार्यवाही का कोई पक्षकार आपके समक्ष काउन्सेल या अभिकर्ता द्वारा या यदि अभिरक्षा में नहीं है तो स्वयं हाजिर हो सकेगा और (यथास्थिति) उक्त साक्षी की परीक्षा, प्रतिपरीक्षा, पुनः परीक्षा कर सकेगा ।

और मैं आपसे यह भी अनुरोध करता हूँ कि आप उक्त साक्षी के उत्तर लिखवाएं और सभी बहियों, पत्रों, कागजों और दस्तावेजों को, जो ऐसी परीक्षा के दौरान पेश किए जाएं, पहचान के लिए सम्यक रूप से चिह्नित कराएं और आपसे यह भी अनुरोध करता हूँ कि आप ऐसी परीक्षा को अपनी सरकारी मुद्रा (यदि कोई हो) और अपने हस्ताक्षर द्वारा अधिप्रमाणित करें और उसे इस कमीशन के साथ अधोहस्ताक्षरी को गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से भेजें ।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन प्रदत्त

तारीख.....2001

न्यायालय की मुद्रा

न्यायाधीश/मजिस्ट्रेट

[फा. सं. 2/1/2001-जुडी. सैल]

दुर्गादास गुप्ता, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th October, 2001

S.O. 997(E).— Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of Uzbekistan for taking the evidence of witnesses residing in the Uzbekistan in relation to criminal matters in Courts in India, and therefore, the Central Government in pursuance of sub-section (3) of section 285 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) hereby directs that (a) Commission for examination of witnesses in the Uzbekistan shall be issued by the Courts in India in the form annexed hereto, to any competent Criminal Court of the Uzbekistan

having authority under the law in force in the Uzbekistan;
and (b) such Commission shall be sent to the Ministry Home
of Affairs, Government of India, New Delhi, for
transmission to the Central Authority in the Uzbekistan.

In the Court of -----

Commission to examine witness outside India [section
285(3) of the Code of Criminal Procedure, 1973].

To

-----,
Through the Ministry of Home Affairs,
Government of India,
New Delhi.

Whereas, it appears to me that the evidence of -
-----is necessary for the ends of justice in case
No.-----vs-----in the Court of-----and
that such witness is residing within the local limits of
your jurisdiction and his attendance cannot be procured
without unreasonable delay, expense or inconvenience, I,
-----, have the honour to request and do hereby
request that for the reasons aforesaid and for the
assistance of the said Court, you will be pleased to summon
the said witness to attend at such time and place as you
shall appoint and that you will cause such witness to be
examined upon the interrogatories which accompany this
Commission (for viva voce).

Any party to the proceeding may appear before you by his counsel or agent or, if not in custody, in person, and may examine, cross-examine or re-examine (as the case may be) the said witness.

And, I further have the honour to request that you will be pleased to cause the answers of the said witness to be reduced into writing and all books, letters, papers and documents produced upon such examination to be duly marked for identification and that you will be further pleased to authenticate such examination by your official seal (if any) and by your signature and to return the same together with this Commission to the undersigned through the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi.

Given under my hand and the seal of the Court

this -----day of-----2001.

Seal of the Court

Judge/Magistrate

[F. No. 2/1/2001-Judl. Cell]
DURGADAS GUPTA, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 2001

का.आ. 998(अ).— केन्द्रीय सरकार, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 290 की उपधारा (2) के खंड (ख) के अनुसरण में उज़बेकिस्तान के ऐसे सभी सक्षम दण्ड न्यायालयों को, जिन्हें उज़बेकिस्तान में प्रवृत्त विधि के अधीन प्राधिकार प्राप्त है, ऐसे न्यायालय विनिर्दिष्ट करती है, जिनके द्वारा भारत में निवास कर रहे साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन जारी किया जा सकता है।

[फा. सं. 2/1/2001-जुडी. सैल]

दुर्गादास गुप्ता, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th October, 2001

S.O. 998(E).— In pursuance of clause (b) of sub-section (2) of section 290 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies all competent Criminal Courts of the Uzbekistan having authority, under the law in force in the Uzbekistan as the Courts by whom Commission for the examination of witnesses residing in India may be issued.

[F. No. 2/1/2001-Judl. Cell]

DURGADAS GUPTA, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 2001

का.आ. 999(अ).— केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105 व द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उज़बेकिस्तान के संबंध में दंड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2) के अध्याय 7 के उपबंध बिना किसी शर्त, अपवाद या अर्हता के इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

[फा. सं. 2/1/2001-जुडी. सैल]

दुर्गादास गुप्ता, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th October, 2001

S.O. 999(E).— In exercise of the powers conferred by section 105L of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby directs that the provisions of Chapter VIIA of the Code of Criminal Procedure, 1973 shall apply without any condition, execution or qualification in relation to the Uzbekistan with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. 2/1/2001-Judl. Cell]
DURGADAS GUPTA, Jt. Secy.

